आईईटी अलवर में टेक एसटेसी '17' का शुभारंभ

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफइंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में 25 फरवरी को टेक एसटेसी 17 का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सनराईज विष्वविद्यालय के चांसलर एवं आईईटी ग्रूप के चेयरमैन डॉ. वी.के. अग्रवाल, अधिषासी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल एवं इंजि. दीपकमल अग्रवाल, निदेशक सनराईज विश्वविद्यालय, अलवर ने दीप प्रज्जवलन व कुलगीत के साथ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. वी.के. अग्रवाल ने जीवन में संस्कृति एवं मानव जीवन की एक दूसरे का पूरक बताते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभ संदेश प्रेषित किया। इस अवसर पर विषिष्ट अतिथि डॉ. मंजू अग्रवाल ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा हम अपनी संस्कृति, लोक परम्पराओं तथा विरासतों को आजीवन अमर कर सकते है। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम के तहत आगामी दो दिवसों में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, नुक्कड़ नाटक, साहित्यक प्रस्तुतियां व मंचन तथा टेक्नीकल पेपर प्रजेंटेशन, रोबो-वार, पोस्टर मेंकिग कोड हंट, कला व फोटोग्राफी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में काफी छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक प्रगति व योग्यता के लिए नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया साथ ही वर्तमान सत्र में भारी प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन संगीत प्रतियोगिता के जज चिन्मय पारासर थे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्षन करते हुए उन्हें संगीत की प्रमुख बारीकियों से परिचित कराया। कार्यक्रम में आईईटी प्रिंसीपल प्रो. (डा॰) अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि संस्कृति का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से छात्र जीवन पर होता है तथा छात्र-छात्राओं के सकारात्मक विकास में योगदान देता है। कार्यक्रम में सहयोग डॉ. प्रताप सिंह पटवाल, सुश्री शिवानी गुप्ता, कुलदीप सिंघल, महेश मीणा, नरेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र सैनी, हंसारानी, श्रुति आर्या, महेन्द्र प्रताप सिंह आदि ने किया।

आईईटी ग्रुप अलवर में "टेक-एसटेसी'17"

अलवर। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में दो दिन से चल रहे टेक-एसटेसी' 17 का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन सनराईज विश्वविद्यालय के चांसलर एवं आईईटी ग्रुप के चेयरमेन डॉ. वी के अग्रवाल, अधिशापी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल एवं इंजि. दीपकमल अग्रवाल निदेशक, सनराईज विश्वविद्यालय, अलवर ने कॉलेज के प्रांगण में कुलगीत व अपने शुभ संदेशों के साथ किया। डॉ. मंजू अग्रवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को उनके आगामी भविष्य के लिए शुभ संदेश प्रेषित किया। प्रतिभागियों ने लघु नाटकों के माध्यम से बाल विवाह-एक कुप्रथा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा विमुद्रीकरण (नोटबंदी) जैसे सामाजिक संदेशों को भी प्रस्तुत किया गया। गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष कार्यक्रम में लड़कियों की प्रतिभागिता तथा पदक जीतने की स्थिति विशेष उत्साहजनक रही। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, आईईटी प्रिंसीपल प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा ने समस्त विजयी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को नकद राशि एवं प्रतीक चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर आईईटी ग्रुप के समस्त स्टॉफ का फूल मालाओं से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जे. जी. बालान, प्रो. अरुणा बंसल, अनुराग उपाध्याय, कृष्णा वशिष्ठ, डॉ. सुरेश चौधरी, छात्र सदाब अली, सुश्री प्रियंका, फनिश कुमार, भवानी कुमार, आनंद कुमार, प्रिया पालीवाल, मोहम्मद तबीश, अनुभव, अनुपम, अमर, मानस आदि ने छात्र-छात्राओं का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का संचालन अल्पना विश्नोई ने किया।

टेक एसटेसी 17 के समापन पर मिला सम्मान

अलवर. आईईटी ग्रुप अलवर की ओर से आयोजित टेक-एसटेसी 17 के समापन पर आयोजित समारोह में अतिथियों के साथ सम्मानित प्रतिभागी।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

अलवर. मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी में दो दिवसीय टेक एसटेसी 17 का समापन रविवार को सनराइज विश्वविद्यालय के प्रांगण में हुआ। इस अवसर पर सनराइज विश्वविद्यालय के चांसलर एवं आईईटी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. वीके अग्रवाल, अधिषाशी निर्देशिका डॉ. मंजू अग्रवाल एवं निदेशक इंजीनियर दीपकमल अग्रवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईईटी प्रिंसीपल प्रो. डा. अनिल कुमार ने विजयी प्रतिभागियों को नगद राशि, प्रतीक चिंह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने लघु नाटकों से बाल विवाह ना करने, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया।

कार्यक्रम में डा. जे जी बालान, प्रो.अरूणा बंसल, अनुराग उपाध्याय, कृष्णा वशिष्ठ, डा. सुरेश चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। मंच संचालन अल्पना विश्नोई ने किया।

टेक-एसटेसी 17 का समापन समारोह आयोजित

भास्कर संवाददाता | अलवर

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में पिछले दो दिन से चल रहे टेक-एसटेसी 17 का समापन समारोह रविवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम का समापन सनराइज विश्वविद्यालय के चांसलर एवं आईईटी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. वीके अग्रवाल, अधिशाषी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल एवं विश्वविद्यालय के निदेशक इंजि. दीपकमल अग्रवाल ने अपने संदेश के साथ किया। इस दौरान कार्यक्रम तथा नई टेक्नोलॉजी प्रस्तुतिकरण में छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, आईईटी प्रिंसीपल प्रो. डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी विजयी प्रतिभागी छात्रों को नकद राशि एवं प्रतीक चिन्ह तथा प्रमाण पत्र भेंट किए। कार्यक्रम में आईईटी ग्रुप के सभी स्टाफ सहित डॉ. जेजी बालान, प्रो. अरुणा बंसल, अनुराग उपाध्याय, कृष्णा वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

टेक एसटेसी '17' का हुआ शुभारम्भ

अलवर, 25 फरवरी (का.सं.)। 25 फरवरी मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में आज "टेक एसटेसी 17" का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सनराईज विश्वविद्यालय के चांसलर एवं आई0ई0टी ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 वी0के0 अग्रवाल, अधिशासी निदेशिका डॉ0 मंजू अग्रवाल एवं इंजि0 दीपकमल अग्रवाल, निदेशक सनराईज विश्वविद्यालय, अलवर ने दीप प्रज्जवलन व कुलगीत के साथ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 वी0के0 अग्रवाल ने जीवन में संस्कृति एवं मानव जीवन की एक दूसरे का पूरक बताते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभ संदेश प्रेषित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ0 मंजू अग्रवाल ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा हम अपनी संस्कृति, लोक परम्पराओं तथा विरासतों को आजीवन अमर कर सकते है। इस कार्यक्रम के तहत आगामी दो दिवसों में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, नुक्कड़ नाटक, साहित्यक प्रस्तुतियां व मंचन तथा टेक्नीकल पेपर प्रजेंटेशन, रोबो-वार, पोस्टर मेंकिग कोड हंट, कला व फोटोग्राफी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। प्राचार्य ने बताया कि गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष कार्यक्रम में लड़कियों की प्रतिभागिता उत्साहजनक रही। इस कार्यक्रम में काफी छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक प्रगति व योग्यता के लिए नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया साथ ही वर्तमान सत्र में भारी प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह व पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन संगीत प्रतियोगिता के जज चिन्मय पाराशर थे, जो कि देव इन्टरनेशनल कालेज, अलवर में संगीत के प्रवक्ता है। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें संगीत की प्रमुख बारीकियों से परिचित कराया। आई0ई0टी0 प्रिंसीपल प्रो0 (डॉ0) अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृति का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से छात्र जीवन पर होता है तथा छात्र-छात्राओं के सकारात्मक विकास में योगदान देता है। कार्यक्रम में सहयोग डॉ0 प्रताप सिंह पटवाल, सुश्री शिवानी गुप्ता, कुलदीप सिंघल, महेश मीणा, नरेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र सैनी, सुश्री हंसारानी, सुश्री श्रुति आर्या, महेन्द्र प्रताप सिंह आदि ने किया तथा समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं तथा शिक्षकोत्तर विभाग की उपस्थिति उत्साहजनक रही।

कार्यक्रम की संयोजक व डीन (सांस्कृति) प्रो0 अरूणा बंसल ने दो दिनों के कार्यक्रम का विवरण देते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि तथा समस्त उपस्थितजनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। छात्र-छात्राओं के प्रतिनिधित्व आलोक मिश्रा, आनन्द कुमार, नितेश लखानी, नव्या एस नांबियार, अंजलि कुमारी, बी0 दीपक रेड्डी, केशव, अल्पना का विशेष सहयोग रहा।

'टेक एसटेसी' 17 का समापन

अलवर, 26 फरवरी (का.सं.)। 26 फरवरी मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में दो दिन से चल रहे टेक-एसटेसी' 17 का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन सनराईज विश्वविद्यालय के चांसलर एवं आईईटी ग्रुप के चेयरमेन डॉ. वी के अग्रवाल, अधिशाषी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल एवं इंजि. दीपकमल अग्रवाल निदेशक, सनराईज विश्वविद्यालय, अलवर ने कॉलेज के प्रांगण में कुलगीत व अपने शुभ संदेशों के साथ किया। इस अवसर पर कार्यक्रमों तथा नई टेक्नोलॉजी प्रस्तुतीकरण में छात्र-छात्राओं ने बढचढ़कर हिस्सा लिया। डॉ. मंजू अग्रवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इंजि. दीपकमल अग्रवाल ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को उनके आगामी भविष्य के लिए शुभ संदेश प्रेषित किया। गत दो दिनों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा नव तकनीकी शिक्षा के प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ यूथ पार्लियामेंट, वर्चुअल-जॉब फेयर, आईईटी प्रेन्योरशिप, बिजनेस क्विज, कैलीग्राफी तथा स्पलैश विशेष रूप से पसंद किए गए। साथ ही साथ प्रतिभागियों ने लघु नाटकों के माध्यम से बाल विवाह-एक कुप्रथा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा विमुद्रीकरण (नोटबंदी) जैसे सामाजिक संदेशों को भी प्रस्तुत किया गया। गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष कार्यक्रम में लड़कियों की प्रतिभागिता तथा पदक जीतने की स्थिति विशेष उत्साहजनक रही। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, आईईटी प्रिंसीपल प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा ने समस्त विजयी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को नकद राशि एवं प्रतीक चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर आईईटी ग्रुप के समस्त स्टॉफ का फूल मालाओं से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. जे. जी. बालान, प्रो. अरुणा बंसल, अनुराग उपाध्याय, कृष्णा वशिष्ठ, डॉ. सुरेश चौधरी, छात्र सदाब अली, सुश्री प्रियंका, फनिश कुमार, भवानी कुमार, आनंद कुमार, प्रिया पालीवाल, मोहम्मद तबीश, अनुभव, अनुपम, अमर, मानस आदि ने छात्र-छात्राओं का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का संचालन अल्पना विश्नोई ने किया।

आईईटी ग्रुप अलवर में टेक एसटेसी 17 का शुभारंभ

अलवर (मोन्यू)। मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में शनिवार को टेक एसटेसी 17 का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सनराईज विश्वविद्यालय के चांसलर एवं आईईटी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. वी.के. अग्रवाल, अधिशासी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल एवं इंजि. दीपकमल अग्रवाल, निदेशक सनराईज विश्वविद्यालय, अलवर ने दीप प्रज्जवलन व कुलगीत के साथ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. वी.के. अग्रवाल ने जीवन में संस्कृति एवं मानव जीवन की एक दूसरे का पूरक बताते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभ संदेश प्रेषित किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. मंजू अग्रवाल ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा हम अपनी संस्कृति, लोक परम्पराओं तथा विरासतों को आजीवन अमर कर सकते है। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने समस्त प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की संयोजक व डीन (सांस्कृति) प्रो. अरूणा बंसल ने दो दिनों के कार्यक्रम का विवरण देते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा समस्त उपस्थितजनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।